# नव वर्ष २०८१ को हार्दिक शुभकामना

## सय थरी बाजा, एउटै ताल

चाडपर्व तथा सांस्कृतिक उत्सवहरूले भरिएको हाम्रो जीवनमा गीत सङ्गीतको महत्व उच्च छ। सामाजिक संवेदना तथा साझा जिम्मेवारीको भावना विकसित गर्ने लोकबाजा नेपाली समुदायको पहिचान र आपसी सहिष्णुताको अक्षुण्ण अङ्ग हो ।

नेपाल पञ्चाङ्ग निणार्यक विकास समिति च. नं. ०२९७२१३ "क" बाट स्वीकृति प्राप्त

लक्ष्यमा सँग-सँगै

बहुसांस्कृतिक र बहुभाषिक नेपाल आफ्नै मौलिक परम्परा र सांस्कृतिक विविधताले भरिपूर्ण र समृद्ध छ। युगौंदेखि हाम्रो दैनिक जीवनमा गुञ्जिने मनोरञ्जनको साधन, मेलापात, विशेष संस्कारसहित अन्य विभिन्न पलहरूमा घन्कँदै आएको गीत-सङ्गीत नेपाली पहिचानको अभिन्न अङ्ग हो। हाम्रो कला र संस्कृति विश्वसामु देशको चिनारी बनेको छ। यही विविधताको सुन्दर पक्षलाई निरन्तरता दिनु हरेक नेपालीको दायित्व हो।

**नेपाली लोकगीत सुनौं, गाऔं! नेपाली लोकबाजा सुनौं, बजाऔं!**
**आफ्नो मौलिक संस्कृतिमा गौरव गर्दै यसको संरक्षण र प्रवर्द्धन गरौं!**
**गीत-सङ्गीतको गैरकानूनी प्रयोग नगरी सर्जकको प्रतिलिपि अधिकारको सम्मान गरौं!**


नेपाल सरकार
संस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन मन्त्रालय
नेपाल प्रतिलिपि अधिकार रजिष्ट्रारको कार्यालय
काठमाडौँ, नेपाल

जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी

नेपाली लोकबाजा संङ्ग्रहालय
त्रिपुरामार्ग, त्रिपुरेश्वर, काठमाडौँ, नेपाल

# सय थरी बाजा, एउटै ताल

Laxmi Sunrise takes pride in presenting the calendar of B.S. 2081—as a celebration of Nepal's rich artistic & cultural heritage.

The calendar is a harmonious showcase of the select twelve traditional Nepalese instruments alongside the melodies that have resonated through generations by legendary Nepalese artists. It is our firm belief that the diversity represented by the rhythm of instruments, united by the universal passion of music, serves as a profound source of inspiration and unity for us all.

**We wish you a Happy New Year filled with Good Health, Happiness, & Success!**

सय थरी बाजा एउटै ताल, सय थरी गोडा एउटै चाल
मेची काली सिङ्गै ढिक्को, साझा हाम्रो ज्यान नेपाल

साभार
गीत : सयथरी बाजा
स्वर : तारा थापा
शब्द : दुर्गालाल श्रेष्ठ
सङ्गीत : न्हयू बज्राचार्य

धुन सुन्नका लागि QR Scan गर्नुहोस्

# गोपाल डन्डी

कडा काठबाट बन्ने दुईवटा जोडी डन्डी गोपाल डन्डी हो ।
थारु समुदायले सामुहिक "रास नृत्य" मा एकआपसमा ठोकाई बजाउने
यो बाजा बजाउँदा "ट्याक ट्याक" आवाज मनमोहक सुनिन्छ ।

## वैशाख २०८१ — Apr/May 2024

| आइत *Sun* | सोम *Mon* | मंगल *Tue* | बुध *Wed* | बिही *Thu* | शुक्र *Fri* | शनि *Sat* |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ३० 12 | ३१ 13 | | | | | १ 13 |
| २ 14 | ३ 15 | ४ 16 | ५ 17 | ६ 18 | ७ 19 | ८ 20 |
| ९ 21 | १० 22 | ११ 23 | १२ 24 | १३ 25 | १४ 26 | १५ 27 |
| १६ 28 | १७ 29 | १८ 30 | १९ 1 | २० 2 | २१ 3 | २२ 4 |
| २३ 5 | २४ 6 | २५ 7 | २६ 8 | २७ 9 | २८ 10 | २९ 11 |

१ गते - नव वर्ष, ५ गते - रामनवमी, १९ गते - विश्व मजदुर दिवस, २६ गते - आमाको मुख हेर्ने दिन

ढोल झ्याम्टा बाजा ल्याउसिङमा, मनाऔं वैशाखी पूर्णिमा,
ए लै लै हो गुर्ह हाहा, सोई ढोले सोई, अर्को ढोले खोई ?

साभार
गीत : सोई ढोले सोई (चण्डि गीत)
स्वर : राजन राई, बेदना थुलुङ,
भिषण मुकारुङ, आभा मुकारुङ
शब्द संकलन : राजन राई
सङ्गीत : राजन राई

धुन सुन्नका लागि QR Scan गर्नुहोस्

केन
(ढोलक)

किराँत समुदायको यो केन (ढोलक) बाजा काठको ठूलो ढुंग्रोलाई छालाले मोरेर बनाइन्छ। यसको एकातिर भित्रबाट खरी लगाइएको हुन्छ। यसलाई हातले कुटेर बजाई नाचगानका लागि ताल निकालिन्छ।

# जेठ २०८१

## May/Jun 2024

| आइत Sun | सोम Mon | मंगल Tue | बुध Wed | बिही Thu | शुक्र Fri | शनि Sat |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | १ 14 | २ 15 | ३ 16 | ४ 17 | ५ 18 |
| ६ 19 | ७ 20 | ८ 21 | ९ 22 | १० 23 | ११ 24 | १२ 25 |
| १३ 26 | १४ 27 | १५ 28 | १६ 29 | १७ 30 | १८ 31 | १९ 1 |
| २० 2 | २१ 3 | २२ 4 | २३ 5 | २४ 6 | २५ 7 | २६ 8 |
| २७ 9 | २८ 10 | २९ 11 | ३० 12 | ३१ 13 | ३२ 14 | |

१० गते - बुद्ध जयन्ती/उभौली पर्व, १५ गते - गणतन्त्र दिवस

माझी दाइले जाले हान्यो माछी पाऱ्यो जालैमा, घिन्ताङ मादल कहाँ बज्यो झ्याउरे तालैमा
हे... आउ है माया लाउ है सुदुक्कै... काफल गेडी कुदुक्कै, भैयो भुतुक्कै

साभार
गीत : काफल गेडी कुटुक्कै,
स्वर : सिन्धु मल्ल, महेश बुढाथोकी
शब्द : महेश बुढाथोकी
सङ्गीत : महेश बुढाथोकी

धुन सुन्नका लागि QR Scan गर्नुहोस्

# उर्नी

उर्नी धिमाल समुदायको मौलिक लोकबाजा हो। उर्नी नरिवलको गट्ठामा छालाले मोरी, एक हात लामो काठमा तार जोडेर बनाइन्छ। यो बाजाको तारमा धनुले रेट्दै औंलाले थिचेर सुमधुर धुन निकालिन्छ।

## असार २०८१ Jun/Jul 2024

| आइत Sun | सोम Mon | मंगल Tue | बुध Wed | बिही Thu | शुक्र Fri | शनि Sat |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ३० 14 | ३१ 15 | | | | | १ 15 |
| २ 16 | ३ 17 | ४ 18 | ५ 19 | ६ 20 | ७ 21 | ८ 22 |
| ९ 23 | १० 24 | ११ 25 | १२ 26 | १३ 27 | १४ 28 | १५ 29 |
| १६ 30 | १७ 1 | १८ 2 | १९ 3 | २० 4 | २१ 5 | २२ 6 |
| २३ 7 | २४ 8 | २५ 9 | २६ 10 | २७ 11 | २८ 12 | २९ 13 |

१५ गते - दहीचिउरा खाने दिन/राष्ट्रिय धान दिवस

हिमालै चुली त्यो पल्लोपट्टि, हे लै झुल्के घाम देखिन्छ,
कहाँबाट हेरूँ मायालाई मैले ए लै डाँडैले छेकिन्छ

साभार
गीत : हिमालै चुली
स्वर : जितेन राई, लक्ष्मी सुब्बा
शब्द : जितेन राई,
सङ्गीत : जितेन राई

धुन सुन्नका लागि QR Scan गर्नुहोस्

## टुङ (यलम्बर)

टुङ भालुबाँसका दुवै आँख्ला नफुटेको गिँडबाट बनाइएको हुन्छ । गिँडको बीच भागमा प्वाल पारी दुवैतिर टाँगिएको दुईओटा तार औंलाले चलाई बजाइने यो बाजा किराँत समुदायमा प्रचलित छ ।

# साउन २०८१

# Jul/Aug 2024

| आइत *Sun* | सोम *Mon* | मंगल *Tue* | बुध *Wed* | बिही *Thu* | शुक्र *Fri* | शनि *Sat* |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | १ 16 | २ 17 | ३ 18 | ४ 19 | ५ 20 |
| ६ 21 | ७ 22 | ८ 23 | ९ 24 | १० 25 | ११ 26 | १२ 27 |
| १३ 28 | १४ 29 | १५ 30 | १६ 31 | १७ 1 | १८ 2 | १९ 3 |
| २० 4 | २१ 5 | २२ 6 | २३ 7 | २४ 8 | २५ 9 | २६ 10 |
| २७ 11 | २८ 12 | २९ 13 | ३० 14 | ३१ 15 | ३२ 16 | |

१ गते - साउने सङ्क्रान्ति, ६ गते - गुरु पूर्णिमा, १५ गते - खीर खाने दिन, २५ गते - नाग पञ्चमी

तिरिरी... मुरली बज्यो वनैमा, वनैमा लौ
माया नमारे, है वनैमा लौ माया नमारे

साभार
गीत : तिरिरी मुरली बज्यो बनैमा
स्वर : पन्नाकाजी शाक्य
शब्द : पन्नाकाजी शाक्य
सङ्गीत : पन्नाकाजी शाक्य

धुन सुन्नका लागि QR Scan गर्नुहोस्

# मुरली

मुरली निगालो वा गोपीबाँसको आँख्लाबाट बनाइने, ओठले च्यापी फुकेर बजाईने नेपाली सुरबाजा हो। मुखले फुक्दै यसको ६ वटा प्वालमा हातका औंलाले चलाई सुमधुर स्वर र धुनहरू निकालिन्छ ।

## भदौ २०८१ Aug/Sep 2024

| आइत *Sun* | सोम *Mon* | मंगल *Tue* | बुध *Wed* | बिही *Thu* | शुक्र *Fri* | शनि *Sat* |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ३० 15 | ३१ 16 | | | | | १ 17 |
| २ 18 | ३ 19 | ४ 20 | ५ 21 | ६ 22 | ७ 23 | ८ 24 |
| ९ 25 | १० 26 | ११ 27 | १२ 28 | १३ 29 | १४ 30 | १५ 31 |
| १६ 1 | १७ 2 | १८ 3 | १९ 4 | २० 5 | २१ 6 | २२ 7 |
| २३ 8 | २४ 9 | २५ 10 | २६ 11 | २७ 12 | २८ 13 | २९ 14 |

३ गते - जनै पूर्णिमा/रक्षाबन्धन, ४ गते - गाईजात्रा (काठमाडौं उपत्यका बिदा), १० गते - श्रीकृष्ण जन्माष्टमी/गौरा पर्व
१७ गते - कुशे औंसी/बुबाको मुख हेर्ने दिन, २१ गते - हरितालिका तीज व्रत (महिला कर्मचारीलाई मात्र बिदा)
२९ गते - राष्ट्रिय बाल दिवस

दारीजुङ्गा फुलेर जाँदनी, पाइन एउटी मन मिल्ने चाँदनी
रन्क्यो सहनाई घन्कियो बाजा, मन मिले, झ्याँई पार्ने हो आज

साभार
गीत : रन्क्यो सहनाई पञ्चेबाजामा
स्वर : विष्णु माझी, राजु परियार, जमुना राना
शब्द : पदम बिसि
सङ्गीत : जमुना राना

धुन सुन्नका लागि QR Scan गर्नुहोस्

# सहने

सहने पञ्चैबाजा समुहको प्रमुख जोडी बाजा हो। भाले सहनेलाई फुक्दै सूर दिइन्छ भने पोथी सहनेलाई फुक्दै भाखा हाल्दै बजाइन्छ। आठवटा प्वालहरूमा औंला चाल्दै फुक्दै बजाइने यो बाजा विशेष गरी पित्तलबाट बनेको हुन्छ।

## असोज २०८१ | Sep/Oct 2024

| आइत Sun | सोम Mon | मंगल Tue | बुध Wed | बिही Thu | शुक्र Fri | शनि Sat |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | १ 17 | २ 18 | ३ 19 | ४ 20 | ५ 21 |
| ६ 22 | ७ 23 | ८ 24 | ९ 25 | १० 26 | ११ 27 | १२ 28 |
| १३ 29 | १४ 30 | १५ 1 | १६ 2 | १७ 3 | १८ 4 | १९ 5 |
| २० 6 | २१ 7 | २२ 8 | २३ 9 | २४ 10 | २५ 11 | २६ 12 |
| २७ 13 | २८ 14 | २९ 15 | ३० 16 | | | |

१ गते - विश्वकर्मा पूजा/इन्द्रजात्रा (काठमाडौं उपत्यका बिदा), २ गते - सोह्रश्राद्ध प्रारम्भ, ३ गते - संविधान दिवस
९ गते - जितीया पर्व (पर्व मनाउने महिला कर्मचारीलाई मात्र बिदा), १७ गते - घटस्थापना/नवरात्री आरम्भ
२४ गते - फूलपाती, २५ गते - महाअष्टमी, महानवमी, २६ गते - विजया दशमी, २७ गते - एकादशी
२८ गते - दशैं बिदा

झिम्काइदेऊ परेली, मनमा बज्छ मिठो मुरली,
घन्काइदेऊ मादल, मन लाग्छ नाच्न मायालु

साभार
गीत : झिम्काइदेऊ परेली (चलचित्र अन्याय)
स्वर : डेनी डेन्जोङ्पा, सुष्मा श्रेष्ठ
शब्द : तुलसी घिमिरे
सङ्गीत : रञ्जीत गजमेर

धुन सुन्नका लागि QR Scan गर्नुहोस्

# मादल

नेपालको लोकप्रिय बाजा मादल छतिउन, दार वा खमारी काठको ढुंग्रामा दुवैपट्टी छालाले मोरेर तनाले कसी एकापट्टी ठूलो र अर्कोपट्टी सानो आकारको खरी लगाई बनाइएको हुन्छ।

## कार्तिक २०८१ Oct/Nov 2024

| आइत *Sun* | सोम *Mon* | मंगल *Tue* | बुध *Wed* | बिही *Thu* | शुक्र *Fri* | शनि *Sat* |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | १ 17 | २ 18 | ३ 19 |
| ४ 20 | ५ 21 | ६ 22 | ७ 23 | ८ 24 | ९ 25 | १० 26 |
| ११ 27 | १२ 28 | १३ 29 | १४ 30 | १५ 31 | १६ 1 | १७ 2 |
| १८ 3 | १९ 4 | २० 5 | २१ 6 | २२ 7 | २३ 8 | २४ 9 |
| २५ 10 | २६ 11 | २७ 12 | २८ 13 | २९ 14 | ३० 15 | |

१४ गते - काग तिहार, १५ गते - लक्ष्मी पूजा/कुकुर तिहार, १६ गते - गाई तिहार, १७ गते - म्हःपूजा/नेपाल संवत् ११४५ सुरु/गोवर्द्धन पूजा
१८ गते - भाइटिका, १९ गते - तिहार बिदा, २२ गते - छठ पर्व, २५ गते - महागुरु फाल्गुनन्द जयन्ती (किराँत धर्मावलम्बीहरूलाई बिदा),
३० गते - गुरु नानक जयन्ती (सिख धर्मावलम्बीहरूलाई बिदा)

टुङ्नाको धुनमा डाँडापारी जुनमा
मनचरी उड्यो मनै छोडेर हो, वनै छोडेर

साभार
गीत : टुङ्नाको धुनमा (चलचित्र रहर)
स्वर : इन्द्रजित मिजार
शब्द : कुसुम घिमिरे, तुलसी घिमिरे
सङ्गीत : रञ्जीत गजमेर

धुन सुन्नका लागि QR Scan गर्नुहोस्

# टुङ्ना

हिमाली भेगमा लोकप्रिय तारबाजा टुङ्ना गुराँसको काठमा चारवटा तार जोडी भेडाको छालाले मोरेर बनाइन्छ। काँधमा भिरी दाहिने हातले नख्खी र देब्रे हातले तार थिचेर टुङ्ना बजाइन्छ।

## मंसिर २०८१ — Nov/Dec 2024

| आइत *Sun* | सोम *Mon* | मंगल *Tue* | बुध *Wed* | बिही *Thu* | शुक्र *Fri* | शनि *Sat* |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ३० 15 | | | | | | १ 16 |
| २ 17 | ३ 18 | ४ 19 | ५ 20 | ६ 21 | ७ 22 | ८ 23 |
| ९ 24 | १० 25 | ११ 26 | १२ 27 | १३ 28 | १४ 29 | १५ 30 |
| १६ 1 | १७ 2 | १८ 3 | १९ 4 | २० 5 | २१ 6 | २२ 7 |
| २३ 8 | २४ 9 | २५ 10 | २६ 11 | २७ 12 | २८ 13 | २९ 14 |

१८ गते - अन्तर्राष्ट्रिय अपाङ्गता दिवस, २१ गते - विवाह पञ्चमी, ३० गते - उधौली पर्व/धान्य पूर्णिमा/य:मरि पुन्हि

नाचिदेऊ मैच्याङ तिमी डम्फुको तालैमा
माया तिमी लाइदेऊ मलाई, बिहे गर्छु आउने सालैमा

साभार
गीत : नाचिदेऊ मैच्याङ
स्वर : शम्भुजीत बाँस्कोटा, मीरा राणा
शब्द : शम्भुजीत बाँस्कोटा
सङ्गीत: शम्भुजीत बाँस्कोटा

धुन सुन्नका लागि QR Scan गर्नुहोस्

## डम्फु (डम्बा)

तामाङ समुदायमा प्रचलित बाजा डम्फु एक हातले समाई अर्को हातको औंलाले हिर्काएर बजाइन्छ। डम्फु आमु जातको रूखको काठको गोलो घेरा बनाई एकतर्फ घोरलको छाला टाँगी बत्तीसवटा बाँसका किला ठोकी बनाइएको हुन्छ र शिरमा डाँफेको मूर्ति ठड्याइएको हुन्छ।

# पुस २०८१

## Dec 2024/Jan 2025

| आइत *Sun* | सोम *Mon* | मंगल *Tue* | बुध *Wed* | बिही *Thu* | शुक्र *Fri* | शनि *Sat* |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | १ 16 | २ 17 | ३ 18 | ४ 19 | ५ 20 | ६ 21 |
| ७ 22 | ८ 23 | ९ 24 | १० 25 | ११ 26 | १२ 27 | १३ 28 |
| १४ 29 | १५ 30 | १६ 31 | १७ 1 | १८ 2 | १९ 3 | २० 4 |
| २१ 5 | २२ 6 | २३ 7 | २४ 8 | २५ 9 | २६ 10 | २७ 11 |
| २८ 12 | २९ 13 | | | | | |

१० गते - क्रिसमस-डे, १५ गते - तमु ल्होसार, १६ गते - तोल ल्होसार, १७ गते - सन् २०२५ आरम्भ,
२७ गते - पृथ्वी जयन्ती/राष्ट्रिय एकता दिवस, २९ गते - श्री स्वस्थानी व्रत कथा प्रारम्भ

कल्ले देला धन, मलाई कल्ले देला धन कल्ले देला घन्चक्करलाई माया र जतन
हे आफै, हे आफै, हे आफै, आफै आफै आफै आफै मनमगन, म त आफै मनमगन

साभार
गीत : मन मगन
स्वर / सङ्गीत : दीपक बज्राचार्य
शब्द : रिकी शाक्य

धुन सुन्नका लागि QR Scan गर्नुहोस्

# धिमे

धिमे रुखको बेलनाकार टोड्कोलाई भित्रपटि खोत्रो बनाई दुवैतिर छालाले मोरेर बनाइने नेवार समुदायको परम्परागत बाजा हो।

## माघ २०८१

## Jan/Feb 2025

| आइत *Sun* | सोम *Mon* | मंगल *Tue* | बुध *Wed* | बिही *Thu* | शुक्र *Fri* | शनि *Sat* |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | १ 14 | २ 15 | ३ 16 | ४ 17 | ५ 18 |
| ६ 19 | ७ 20 | ८ 21 | ९ 22 | १० 23 | ११ 24 | १२ 25 |
| १३ 26 | १४ 27 | १५ 28 | १६ 29 | १७ 30 | १८ 31 | १९ 1 |
| २० 2 | २१ 3 | २२ 4 | २३ 5 | २४ 6 | २५ 7 | २६ 8 |
| २७ 9 | २८ 10 | २९ 11 | ३० 12 | | | |

१ गते - माघे संङ्क्रान्ति, १६ गते - शहिद दिवस, १७ गते - सोनाम ल्होसार

२१ गते - वसन्तपञ्चमी व्रत/सरस्वती पूजा (शिक्षण संस्था बिदा), ३० गते - श्री स्वस्थानी व्रत कथा समाप्त

रिटिङ रिटिङ नबजाऊ बिनायो, बिनायोले मन मेरो छिनायो
सान्नानी, आइयाया, आत्थाथा, सान्नानी

साभार
गीत : रिटिङ रिटिङ नबजाऊ बिनायो
स्वर : लक्ष्मी जोशी, लोचन भट्टराई
शब्द : लक्ष्मी जोशी
सङ्गीत : लक्ष्मी जोशी

धुन सुन्नका लागि QR Scan गर्नुहोस्

# बिनायो

किराँत समुदायमा प्रचलित बिनायो सामान्यतः मालिङ्गो वा मोली बाँसलाई तिखो र धारिलो नहर्नीले खिपेर तयार पारिन्छ। बिनायोको बीच भागमा धागो जोडिएको सानो जिब्री हातले हल्लाएर यो बाजा बजाइन्छ ।

## फाल्गुन २०८१ — Feb/Mar 2025

| आइत *Sun* | सोम *Mon* | मंगल *Tue* | बुध *Wed* | बिही *Thu* | शुक्र *Fri* | शनि *Sat* |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | १ 13 | २ 14 | ३ 15 |
| ४ 16 | ५ 17 | ६ 18 | ७ 19 | ८ 20 | ९ 21 | १० 22 |
| ११ 23 | १२ 24 | १३ 25 | १४ 26 | १५ 27 | १६ 28 | १७ 1 |
| १८ 2 | १९ 3 | २० 4 | २१ 5 | २२ 6 | २३ 7 | २४ 8 |
| २५ 9 | २६ 10 | २७ 11 | २८ 12 | २९ 13 | | |

७ गते - राष्ट्रिय प्रजातन्त्र दिवस, १४ गते - महाशिवरात्री, १६ गते - ग्याल्पो ल्होसार
२४ गते - अन्तराष्ट्रिय नारी दिवस, २९ गते - फागु पूर्णिमा (पहाडी जिल्ला बिदा)

सारङ्गीको धुनले, भन्छ मेरो मनले, अब नाचिदेऊ नाचिदेऊ छम् छम् छम्
तिम्रो सपनीले, तिम्रो मोहनीले, मलाई बाँध्यो नि बाँध्यो नि झन् झन् झन्

साभार
गीत : सारङ्गीको धुनले (चलचित्र सारङ्गी)
स्वर : उदित नारायण झा, साधना सरगम
शब्द : किरण खरेल
सङ्गीत : शम्भुजीत बाँस्कोटा

धुन सुन्नका लागि QR Scan गर्नुहोस्

# सारङ्गी

गन्धर्व जातिको परम्परागत बाजा सारङ्गी खिर्राको काठमा बुट्टा कुँदी, बीचमा चारवटा तारहरू कसेर बनाइन्छ। यसको तल्लो भागमा गजले रेट्दै माथिल्लो भागमा औंलाको प्रयोगले सुमधुर धुनहरू निकालिन्छ।

## चैत्र २०८१ | Mar/Apr 2025

| आइत *Sun* | सोम *Mon* | मंगल *Tue* | बुध *Wed* | बिही *Thu* | शुक्र *Fri* | शनि *Sat* |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ३१ 13 | | | | | १ 14 | २ 15 |
| ३ 16 | ४ 17 | ५ 18 | ६ 19 | ७ 20 | ८ 21 | ९ 22 |
| १० 23 | ११ 24 | १२ 25 | १३ 26 | १४ 27 | १५ 28 | १६ 29 |
| १७ 30 | १८ 31 | १९ 1 | २० 2 | २१ 3 | २२ 4 | २३ 5 |
| २४ 6 | २५ 7 | २६ 8 | २७ 9 | २८ 10 | २९ 11 | ३० 12 |

१ गते - फागु पूर्णिमा (तराई जिल्ला बिदा), १६ गते - घोडेजात्रा (काठमाडौं उपत्यका बिदा)

# सारङ्गी

गन्धर्व जातिको परम्परागत बाजा सारङ्गी खिर्राको काठमा बुट्टा कुँदी, बीचमा चारवटा तारहरू कसेर बनाइन्छ। यसको तल्लो भागमा गजले रेट्दै माथिल्लो भागमा औँलाको प्रयोगले सुमधुर धुनहरू निकालिन्छ।

## चैत्र २०८१

## Mar/Apr 2025

| आइत *Sun* | सोम *Mon* | मंगल *Tue* | बुध *Wed* | बिही *Thu* | शुक्र *Fri* | शनि *Sat* |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ३१ 13 | | | | | १ 14 | २ 15 |
| ३ 16 | ४ 17 | ५ 18 | ६ 19 | ७ 20 | ८ 21 | ९ 22 |
| १० 23 | ११ 24 | १२ 25 | १३ 26 | १४ 27 | १५ 28 | १६ 29 |
| १७ 30 | १८ 31 | १९ 1 | २० 2 | २१ 3 | २२ 4 | २३ 5 |
| २४ 6 | २५ 7 | २६ 8 | २७ 9 | २८ 10 | २९ 11 | ३० 12 |

१ गते - फागु पूर्णिमा (तराई जिल्ला बिदा), १६ गते - घोडेजात्रा (काठमाडौं उपत्यका बिदा)